

## नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुआ व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक व्यापारिक करार नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती सक्रियता और रणनीतिक सोच का संकेत है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब दुनिया 'सप्लाई चेन विविधीकरण' की ओर बढ़ रही है, ऐसे में भारत का न्यूजीलैंड जैसे विकसित और स्थिर बाजार के साथ जुड़ना कई मायनों में दूरगामी प्रभाव डाल सकता है।

इस समझौते का सबसे बड़ा लाभ भारतीय निर्यातकों को मिलने वाला है। इंजीनियरिंग गुड्स, फार्मा, केमिकल्स, टेक्सटाइल, लेदर और फूडविद्युत जैसे क्षेत्रों में अब तक 5 से 10 प्रतिशत तक का शुल्क लगता था, जो अब शून्य हो जाएगा। इसका सीधा असर भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता पर पड़ेगा। खासकर उस बाजार में, जहाँ चीन पहले से ही शून्य शुल्क के साथ मजबूत स्थिति में है। ऐसे में भारत के लिए

## अवसरों का नया द्वार

यह समझौता 'लेवल प्लेइंग फ़ील्ड' तैयार करता है। न्यूजीलैंड का बाजार भले ही आकार में छोटा हो, लेकिन उसकी क्रय शक्ति और गुणवत्ता के मानक ऊंचे हैं। यही कारण है कि वहाँ प्रवेश करना आसान नहीं होता। भारत के लिए यह समझौता केवल बाजार तक पहुंच नहीं, बल्कि अपने उत्पादों की गुणवत्ता और वैश्विक मानकों को सुधारने का अवसर भी है। यदि भारतीय उद्योग इस अवसर को गंभीरता से लेते हैं, तो यह एफटीए निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि का माध्यम बन सकता है।

कृषि क्षेत्र में भी इस समझौते के व्यापक प्रभाव देख सकते हैं। न्यूजीलैंड की उन्नत कृषि तकनीक और उच्च उत्पादकता भारत के लिए सीखने का बड़ा स्रोत है। सेब और किवी जैसे उत्पादों में न्यूजीलैंड की उत्पादकता भारत से

कई गुना अधिक है। यदि तकनीकी सहयोग प्रभावी ढंग से लागू होता है, तो भारत में बागवानी क्षेत्र में क्रांति आ सकती है। हालांकि, यहां यह भी ध्यान रखना होगा कि आयात में ढील से घरेलू किसानों पर दबाव न बढ़े। सरकार द्वारा न्यूनतम मूल्य और सीमित कोटा जैसी शर्तें इसी संतुलन को बनाए रखने का प्रयास हैं।

इस समझौते का एक मानवीय और सामाजिक पक्ष भी है। भारतीय युवाओं और पेशेवरों के लिए न्यूजीलैंड में रोजगार और अनुभव के नए अवसर खुलेंगे। हर साल 1000 युवाओं को वीजा और 5000 पेशेवरों के लिए विशेष कोटा न केवल कौशल विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि भारत की 'टैलेंट एक्सपोर्ट' नीति को भी मजबूती देगा। शिक्षा और रकत वीजा में

मिलने वाली सहूलियतें भारतीय छात्रों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं। हालांकि, हर अवसर के साथ चुनौतियां भी आती हैं। भारतीय उद्योग को गुणवत्ता, लागत और समयबद्ध आपूर्ति के मानकों पर खरा उतराना होगा। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना होगा कि छोटे और मझोले उद्योग इस प्रतिस्पर्धा में पीछे न छूटें। कृषि क्षेत्र में संतुलन बनाए रखना और घरेलू हितों की रक्षा करना भी सरकार की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

कुल मिलाकर, भारत-न्यूजीलैंड एफटीए एक सकारात्मक और दूरदर्शी कदम है, जो भारत के निर्यात, कृषि, और मानव संसाधन-तीनों क्षेत्रों को नई दिशा दे सकता है। अब असली परीक्षा इस प्रतिस्पर्धा को खरीद और उद्योगों की तत्परता की है। यदि सही रणनीति और संतुलन बनाए रखा गया, तो यह समझौता भारत के वैश्विक व्यापारिक सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है।

## दिल्ली डायरी

## 'मां माटी मानुष' बनाम 'झालमुरी, माछभात और नवका विहार' की राजनीति



प्रवेश कुमार मिश्र

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में आरोप प्रत्यारोप के सभ्य स्थापित सीमा लांघने के बाद टीएमसी और भाजपा के रणनीतिकारों ने अंत में स्थानीय मुद्दों के सहारे चुनावी बैतराणी पार पाने की तैयारी की है।

टीएमसी ने जहां एक तरफ भाजपाई मुहिम को मां माटी मानुष के अपने भावनात्मक नारों के सहारे बंगाली अस्मिता को जगाने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा झालमुरी से लेकर नवका विहार के सहारे मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने का प्रयास किया गया और पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं द्वारा स्थानीय भोजन माछभात का सेवन कर जनता के बीच सार्थक संदेश देने का प्रयास किया गया। हालांकि इन सबके बावजूद जहां पश्चिम बंगाल के प्रथम चरण में बढ़े मत प्रतिशत और मतदाताओं की चुप्पी सभ्य समीक्षकों को पशोपेश में डाल दिया है वहीं दिल्ली, गुजरात से लेकर अन्य राज्यों के सट्टाबाजारों की अनिश्चितता से सबकी धड़कने बढ़ गई हैं।

## आप में बिखराव या आपरेशन लोटस का प्रभाव

कुछ दिन पहले तक भाजपा को पानी पी पी कर खरी खोटी सुनाते हुए मीडिया की सुर्खियां बटोरने वाले तात्कालिक आप के सट्टाबाजारों की अनिश्चितता से सबकी धड़कने बढ़ गई हैं।

## चुनाव परिणाम पर टिका है इंडिया गठबंधन का भविष्य



एक अलग मोर्चा तैयार कर लेंगे। कहा जा रहा है कि आम आदमी पार्टी द्वारा कांग्रेस व भाजपा के विरोधी खेमों को एकजुट करने के लिए प्रयास आरंभ किया जा चुका है। इस प्रयास को टीएमसी, राजद व सपा जैसे कई दलों के वरिष्ठ नेताओं का प्रत्यक्ष समर्थन मिला हुआ है।

राजनीतिक गलियारों में खूब सुर्खियों में है। लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि चक्र पहले सही बोल रहे थे या अब सही बोल रहे हैं। हालांकि उन्होंने कहा है कि उनके लोग कह रहे थे कि सही आदमी गलत जगह है इसलिए मैं सही जगह पर आ गया हूं।

आम आदमी पार्टी के अंदर इस तरह के बिखराव को कुछ लोग आपरेशन लोटस की संज्ञा देते हुए भाजपाई रणनीतिकारों की खूब तारीफ कर रहे हैं जबकि कुछ लोग इसे आप के अंदर अरविंद केजरीवाल के निरंकुश दबाव के खिलाफ आवाज उठाने की शुरुआत मान रहे हैं।

## मोर्चाबंदी में जुटी भाजपा



तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ डीएमके के खिलाफ कथित माहौल को भांपकर राजग खेमा गदगद है। संभवतः इसी वजह से अभिनेता से राजनेता विजय, जिनकी पार्टी 'तमिलनाडु वेत्तु कडगम' (टीवीके) जो इस चुनाव में पदार्पण किया है उसपर राजग रणनीतिकारों की नजर है।

वोटर द्वारा बढ़-चढ़कर चुनाव में हिस्सा लेना सत्ता विरोधी लहर की आहट मानी जा रही है। चर्चा है कि भाजपाई रणनीतिकार डीएमके व कांग्रेस को छोड़ बाकी ज्यादातर क्षेत्रीय दलों के नेताओं से संपर्क साधे हुए हैं ताकि मौका मिले तो बगैर देरी किए सभी को एकजुट कर वैकल्पिक सरकार की रूपरेखा तैयार की जा सके।

## नारंगी अर्थव्यवस्था



रंजना चोपड़ा

वर्षांग खैर मणिपुर के उखरुल जिले के लॉन्गपी गाँव के निवासी हैं, जो अपने और अपने परिवार की रोजी-रोटी गाँव में उपलब्ध गारे और सप्टीनाइट पत्थर से बनकर कमाते हैं। स्थानीय तांगखुल नागा जनजातियों के अनुसार, यह पारंपरिक शिल्प, देवी पंधोइको की कृपा है और आज यह उनकी आय का मुख्य स्रोत है और इसने छोटे से गाँव को वैश्विक मानचित्र पर ला दिया है। इसी तरह, नॉर्थी कुट्टन, जो तमिलनाडु के उदुमपेट्टलम जिले के पागलकोड मंड गाँव में रहते हैं, पारंपरिक कढ़ाई कला से अपनी आजीविका कमा रहे हैं। इस कढ़ाई कला का उपयोग नीलगिरी के हरे-भरे जंगलों में बसे टोडा जनजाति समूह द्वारा किया जाता है।

जीआईएटिग से युक्त यह शिल्प प्रकृति और सामुदायिक बंधन का जश्न मनाता है और इसे बहुत ही सुंदरता के साथ टेबल मैट, रनर, जैकेट आदि पर अंकित किया जाता है और समकालीन उपयोग में इसे लोकप्रियता भी मिली है। खैर और कुट्टन दोनों अपने पारंपरिक जनजातीय कला रूपों के एक उन्नत रूप का अभ्यास करने सालाना

ह भारत के लिए एक मुख्य रणनीतिक सिफारिश को रेखांकित करता है- नारंगी अर्थव्यवस्था में जनजातीय कला/हस्तशिल्प को बेहतर क्षेत्रीय लेखांकन, लागू करने योग्य प्रामाणिकता/नैतिक व्यापार संरचना, और उत्पादक-संचालित वितरण की आवश्यकता है, जो मध्यस्थों के प्रभाव को कम करता है। लघु-अवधि के लिए भारत ट्राइबल फेस्ट जैसे त्योहारों को खरीद संभावना तथा उत्पाद फेडलॉग के मानकीकरण और डिजिटलीकरण के रूप में देखा जाना चाहिए एवं राष्ट्रीय एसटी वित्त विकास निगम और पीएम विश्वकर्मा जैसी योजनाओं के माध्यम से ऋण समर्थन को खरीदार आदेशों के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए। हालांकि, दीर्घ-अवधि के लिए सरकार को एक जनजातीय रचनात्मक अर्थव्यवस्था उग्रह विवरण बनाने, निर्यात स्तर की अनुपालन और ब्रांड संरचना स्थापित करने और जनजातीय कला के लिए भारत-उपयुक्त नैतिक व्यापार सहिता तैयार करने पर विचार करना होगा।

लगभग 6-8 लाख रुपये कमाते हैं।

जनजातीय आजीविका लंबे समय से ज्ञान और पारंपरिक प्रथाओं पर आधारित रही है, जहां रचनात्मकता शिल्प, परंपरा, वस्त्र, संगीत, नृत्य, कथा-वाचन और भाषाओं में निहित है। ये केवल उत्पाद या सेवाएँ नहीं हैं, बल्कि ज्ञान की जीवित विरासत हैं, जो पीढ़ियों के माध्यम से आगे बढ़ती हैं। जनजातीय समुदायों के पास मौजूद रचनात्मक संपत्तियों का महत्वपूर्ण आर्थिक मूल्य है, जिसे यदि परंपरा के प्रति संवेदनशील रहते हुए सतत तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह नारंगी अर्थव्यवस्था (ऑरेंज इकोनॉमी) को गति दे सकता है और इस इकोसिस्टम के तहत आय उत्पन्न करने वाली गतिविधियों का सृजन कर सकता है।

रचनात्मक अर्थव्यवस्था को दर्शाने के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली

नारंगी अर्थव्यवस्था, यूएनसीडीएडी (संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन) के अनुमान के अनुसार 2 ट्रिलियन डॉलर से 2.25 ट्रिलियन डॉलर के बीच है, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग 3.1 प्रतिशत है। भारत में, जहाँ हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए ठोस डेटा मौजूद है, वहीं जनजातीय शिल्प और आजीविका के लिए डेटा की कमी है। हालांकि, रणनीतिक निहितार्थ स्पष्ट हैं- जनजातीय कला और शिल्प कुछ ऐसी ग्रामीण आजीविकाएँ हैं, जो वैश्विक रचनात्मक वस्तुएँ की मांग से सीधे जुड़ सकती हैं यदि प्रामाणिकता, लॉजिस्टिक्स और गुणवत्ता प्रणाली मौजूद हों।

अनुमान है कि भारत की अनुसूचित जनजाति की आबादी 104 मिलियन है और कुल आबादी में इसकी हिस्सेदारी लगभग 8.6 प्रतिशत है। लगभग 700 अलग-अलग

जनजातीय समुदाय विभिन्न पारिस्थितिक क्षेत्रों में निवास करते हैं-जंगल, पहाड़, मैदान और सीमा क्षेत्र। इस विविधता का प्रत्यक्ष आर्थिक संबंध है। यह पारिस्थितिकी के अनुसार शिल्प विशेषज्ञता को प्रतिबिंबित करता है, जैसे जंगल वाले क्षेत्रों में बांस और छड़ी, खनिज क्षेत्रों में धातु और मिट्टी, और बुवाई गलियारों में वस्त्र परंपराएँ। इसके परिणामस्वरूप, भारत के जनजातीय क्षेत्र; एकल जनजातीय शिल्प क्षेत्र के बजाय विविध अर्थव्यवस्थाओं से युक्त हैं। इसलिए, नीति निर्माण क्षेत्रीय रूप से भिन्न होना चाहिए और सभी के लिए उपयुक्त एक ही शिल्प योजना नहीं होनी चाहिए। नीतियों को कच्चे माल की सीमाओं, डिजाइन और गुणवत्ता संबंधी मुद्दों और बाजार संबंधों को ध्यान में रखना चाहिए। वर्तमान में, जनजातीय कला/हस्तशिल्प आजीविका इकोसिस्टम, कई मंत्रालयों और संस्थानों के कार्यक्षेत्रों से बना है, जो विभिन्न स्तरों पर एक-जैसे हैं।

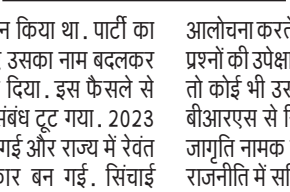
जनजातीय कार्य मंत्रालय इस इकोसिस्टम का मुख्य स्तंभ है और विकास के लिए अत्यंत आवश्यक अवसररचना में सुधार करता है और ट्राइफेड (भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड) के माध्यम से बाजार-जुड़ाव की सुविधा देता है। ट्राइफेड एक प्रमुख बाजार संचालक के रूप में कार्य करता है।

(लेखिका जनजातीय कार्य मंत्रालय में सचिव हैं)

## चंद्रशेखर राव को बेटी कविता की चुनौती

किसी नेता को शायद ही उसकी बेटी चुनौती देती है. पं. नेहरु को इंदिरा ने, एम. करुणानिधि को कनिमोझी ने या शरद पवार को सुप्रिया सुले ने हमेशा पूर्ण सम्मान दिया व मदद दी. इस मामले में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता अपवाद हैं. उन्होंने अपनी नई पार्टी तेलंगाना राष्ट्र सेना बना ली है. इस तरह मूल पार्टी टीआरएस के नाम का इस्तेमाल किया है. कविता अपने पिता की पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को चुनौती देगी. तेलंगाना राज्य निर्माण के लिए के. चंद्रशेखर राव ने 2001 में तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) की स्थापना की थी और भारी आंदोलन किया था. पार्टी का राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने के लिए उसका नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति या बीआरएस कर दिया. इस फैसले से तेलंगाना की अस्मिता से भावनात्मक संबंध टूट गया. 2023 के विधानसभा चुनाव में बीआरएस हार गई और राज्य में रैवत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बन गई. सिंचाई

परियोजना को लेकर कविता ने अपने चचेरे भाइयों टी. हरीश राव और जे. संतोषकुमार की आलोचना की. इस वजह से उन्हें बीआरएस से निलंबित कर दिया गया था. अब कविता नई पार्टी बनाकर अपने पिता की पार्टी बीआरएस और सत्तारूढ़ कांग्रेस को टक्कर देंगी. बीजेपी की राय है कि कविता के इस कदम का कोई असर नहीं पड़ेगा. राज्य की जनता को उन पर विश्वास नहीं है. दूसरी ओर बीआरएस के नेता श्रावण दासोजु ने कहा कि तेलंगाना निर्माण में के. चंद्रशेखर राव का अमूल्य योगदान है. उनकी आलोचना करने वालों को चाहे उनकी बेटी ही क्यों न हो, जनता कड़ा सबक सिखाएगी. कविता ने अपने पिता की आलोचना करते हुए कहा कि वह अब बदल गए हैं और जनता के प्रश्नों की उपेक्षा करते हैं. जब उन्होंने टीआरएस नाम छोड़ दिया तो कोई भी उस नाम का इस्तेमाल कर सकता है. 2025 में बीआरएस से निलंबित किए जाने के बाद से कविता तेलंगाना जागृति नामक सामाजिक संगठन चला रही थीं. अब वह फिर राजनीति में सक्रिय हो गई हैं.



## संपादकीय बोर्ड

प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12243

— डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4	5
6		7	8	
		9		
10			11	12
		14	15	16
17		19	20	
21			22	

चिपकने का गुण, गोंद 3. विशालकाय 4. स्त्री, पत्नी 5. निषिद्ध, रोक 7. सतह 8. हंग, उपाय 9. भाग्य, नसीब 12. नहुषराज का पुत्र देवयानी व शर्मिष्ठा का पति 13. कमल की डंडी 15. किसी कार्य का अपनी ओर से प्रारंभ 17. बच्चा, लड़का 18. अंजन 19. चमड़ा, खाल 20. एक मछली

बाएं से दाएं

1. पलटने का कार्य या भाव, प्रतिफल 4. सूयं, दीप्ति, चमक, क्रोध (सं.) 6. कोप, क्रोध 7. गुस्से में लाल होना 9. अत्यंत हर्षित होने पर निकलने वाली अपसृत ध्वनि 10. जादू, चमत्कार, करामात (उर्दू) 11. अकस्मात, अचानक 14. तपस्या 16. प्रहर 17. भुजा, बांह (सं.) 18. हल्यारा 19. चालाक, धूर्त, छली 21. लेखनी, कुंची (उर्दू) 22 एक बारीक सफेद सूती कपड़ा

उपर से नीचे

1. परिणाम, रूपांतर होना (सं.) 2.

Solution 12242

वि	श्र	स	पा	त्र	दा	ह
पा	न	दा	न	च	म	क
शा	च	क	र			ला
	न	र	ल	टो	ना	
प्र	वी	ण	पा	च	क	
जा	न	ब	र	क	रा	र
प	ता	का	खी	रा	ग	
ति	ग	श्र	ना	क	झ	

## ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी. व्यवसाय में वृद्धि होगी. राजनैतिक लाभ होगा. वर्ष के मध्य में व्यवसाय की स्थिति में सुधार होगा. आय के स्तरों में वृद्धि होगी. पूर्व परिचित से भेंट होगी, कार्यों में सफलता मिलेगी. मन प्रसन्न रहेगा. वर्ष के अंत में अनावश्यक विवाद से मन खिन्न रह सकता है. स्थान परिवर्तन का योग है. मेघ और बुधिका राशि के व्यक्तियों के व्यवसाय में वृद्धि होगी. राजनैतिक

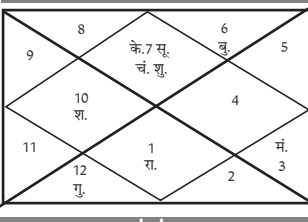
मेघ- ले देकर कार्य कराने की योजना सफल रहेगी, संतान के कारण भावनात्मक कष्ट होगा, नवीन योजनाओं का विकास होगा, मनोरंजक यात्रा हो सकती है. वृषभ- लोग दबाव बनाने की कोशिश करेंगे, विवादास्पद मामले सुलझे, सुख सुविधाओं की वृद्धि होगी, महिला जाति की सलाह लेना उपयोगी सिद्ध होगा. मिथुन- नया घर खरीदने का मन बनेगा, साहसिक प्रयत्न से अभीष्ट कार्यों को प्राप्त होगा, बने बनावे कार्यों में व्यवधान आ सकता है, नवीन कार्यों की रूपरेखा बनेगी. कर्क- लोगों को बेहतर सफलता मिलेगी, आकस्मिक खर्च होगा, कामकाज पूरा होगा, नये कार्य बनने का योग है. नवीन योजना बनेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक हंसमुख, मिलनसार, चंचल तथा व्यवहार कुशल होगा, जन्म स्थान से दूर रहकर अपना भाग्योदय करेगा, माता पिता का भक्त होगा, दूर दराज की यात्रा अधिक पसंद करेगा, तेजस्वी और निडर होगा. सर्विस करना पसंद करेगा.

धनु- कार्यस्थल पर विवाद की संभावना, सत्संग से मानसिक प्रसन्नता एवं श्रान्ति रहेगी, अचानक कोई सुखद एवं लाभदायक सूचना मिलेगी, प्रवास का योग प्रबल है. मकर- कानूनी मामले सुलझे, बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिन्ता होगी, अचानक लाभ हो सकता है, यश मिलेगा. शारीरिक शिथिलता दूर होगी. कुम्भ- समय के साथ तौर तरीके में बदलाव कर लें, मेलजोल बढ़ेगा, व्यवसायिक कामकाज की अधिकता रह सकती है, मनोरंजन के साधन बनेंगे. मीन- परिचितों की जानबूझकर नाराज न करें, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें, कार्य की अधिकता से मानसिक पीड़ा होगी, शत्रु वर्ग पराजित होगा.

## उदयकालीन ग्रह चाल



## पंचांग

रा.मि. 09 संवत् 2083 वैशाख शुक्ल त्रयोदशी बुधवासरे रात 7/32, हस्त नक्षत्र रात 12/8, हर्षण योगे रात 9/2, कौलव करणे सू.उ. 5/32, सू.अ. 6/28, चन्द्रचार कन्या, पूर्व- प्रदोष व्रत, शु.रा. 6,8,9,12,1,4 अ.रा. 7,10,11,2,3,5 शुभांक- 8,0,5.

## व्यापार भविष्य

वैशाख शुक्ल त्रयोदशी को हस्त नक्षत्र के प्रभाव से रूई, कपास, सूत, वस्त्र, सन् मैथी के भाव में सामान्य घट-बढ़ रहेगी, मोट, मसूर बाजरा, मक्का, मूंगफली, गुड़ तेल, घी, के भाव में तेजी रहेगी, भाग्यांक 2563 है.

## SUDOKU 7375

4	6		3		8	9		7
	1		9		6			5
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1			7
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ण में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सूचकांक 7374

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3